कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD-22

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए.हिन्दी)

(एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.एच.डी. -22 : कबीर का विशेष अध्ययन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) कबीर यह मन कत गया, जो मन होता काल्हि।

डूंगरि बूठा मेह ज्यूँ गया, निवाँणाँ चालि।।

(ख) कबीर हरदी पीयरी, चूना ऊजल भाइ।

राम सनेही यूँ मिले, दुन्यूँ बरन गँवाइ।।

(ग) बोलत बोलत बढ़ै बिकारा, बिन बोल्याँ क्यूँ होइ बिचारा॥

संत मिलै कछु कहिये कहिये, मिलै असंत मुष्टि करि रहिये॥

ग्यानी सूँ बोल्या हितकारी, मूरिख सूँ बोल्याँ झष यारी॥

कहै कबीर आधा घट डोलै, भर्‌या होइ तौ मुषाँ न बोलै॥

(घ) मन मारया ममता मुई, अहं गई सब छूटि।

जोगी था सो रमि गया, आसणि रही विभूति॥

2. कबीर की कविताओं में अभिव्यक्त भक्ति चेतना के मूल उपादानों को स्पष्ट कीजिए। 10

3. कबीर के काव्य में 'माया' के स्वरूप का विवेचन कीजिए। 10

4. कबीर की कविता में छंदों के प्रयोग और उनके महत्व पर विचार कीजिए। 10

5. कबीर की कविताओं में अभिव्यक्त व्यंग्य की प्रमुख विशेषताओं का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times5=10$

(क) उलटबाँसी

(ख) कबीर काव्य में अभिव्यक्त अद्वैतवादी चेतना

(ग) कबीर की कविता में अलंकारों का महत्व

(घ) कबीर काव्य और नाथ पंथ